

भारतीय मानक ब्यूरो

तत्काल जारी करने हेतु

प्रेस नोट सं: पीआरडी /प्रेस नोट/4/2019-20

06 मई 2019

विषय:- अक्षय तृतीया पर प्रेस रिलीज

7 मई 2019 को पूरे देश में अक्षय तृतीया मनाई जाएगी। यह अवसर कीमती सामान खरीदने और निवेश के लिए पारंपरिक रूप से शुभ दिन माना जाता है। इस अवसर पर ज्वैलर्स के पास अनेक ग्राहक आते हैं और उत्साही लोग कीमती धातुएं खरीदना पसंद करते हैं। अतः इस दिन देशभर में स्वर्ण आभूषणों की भारी खरीद-बिक्री की जाती है।

इसे ध्यान में रखते हुए बीआईएस इस बात पर बल देता है कि त्यौहार के इस अवसर पर खरीदे गए उत्पाद की वांछित शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता केवल हॉलमार्कड ज्वैलरी खरीदें। हॉलमार्क से तात्पर्य उन सरकारी चिन्हों से है जो कि स्वर्ण सहित कीमती धातु के आभूषणों की उत्कृष्टता एवं शुद्धता की गारंटी के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। हम चाहते हैं कि नागरिक एवं ग्राहक महंगे आभूषण खरीदने से पहले निम्नांकित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत हो:-

- हमेशा बीआईएस लाइसेंस प्राप्त ज्वैलरी स्टोर से खरीदे जाने को प्राथमिकता दें।
- खरीदने से पहले सोने के वास्तविक वजन की जांच करें।
- बीआईएस हॉलमार्क और कैरेट की पवित्रता जांचें। 22 कैरेट ज्वैलरी के लिए, 22K का मार्क सुनिश्चित करे जो 916 (22K916) भी लिखा होगा, 18 कैरेट ज्वैलरी के लिए - 18K750, और 14 कैरेट ज्वैलरी के लिए - 14K585 मार्क किया जाएगा।
- अस्सिंगकेंद्र का पहचान चिह्न और जौहरी का पहचान चिह्न अवश्य देखें।
- ज्वैलर स्वर्ण आभूषणों पर हॉलमार्क नहीं लगाते हैं। यह कार्य असेयिंग और हॉलमार्किंग केंद्र के रूप में ज्ञात विशेष प्रयोगशालाओं द्वारा किया जाता है। स्वर्ण आभूषणों का हॉलमार्किंग शुल्क 35 रु प्रति वस्तु है और चांदी के आभूषणों का शुल्क 25 प्रति वस्तु है।
- उस दिन के स्वर्ण के मूल्य से अवगत रहें ताकि आप खरीदते समय उचित मूल्य ही चुकाएँ।

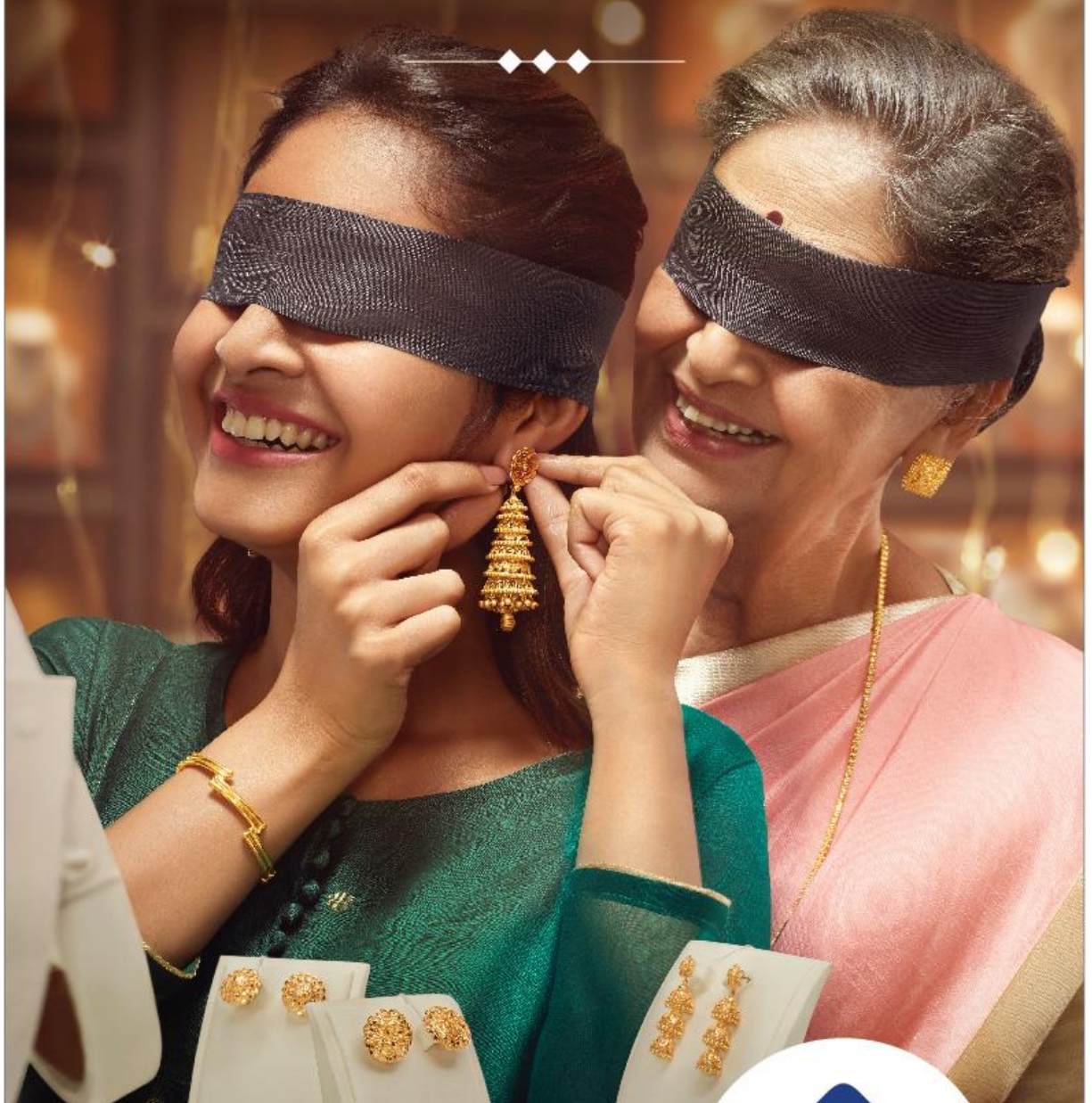
भारतीय मानक ब्यूरो अपनी विभिन्न हॉलमार्किंग योजनाओं के तहत अस्सिंग और हॉलमार्किंग केंद्र (AHCs) की सुविधा द्वारा उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करता है। वर्तमान में, देश में सात सौ सत्तानवे (797) अस्सिंग और हॉलमार्किंग केंद्र कार्यरत हैं। पिछले पांच वर्षों में, बीआईएस ने लगभग सत्ताईस हजार हॉलमार्किंग लाइसेंस प्रदान किए हैं जो देश भर में चल रहे हैं। (24655- स्वर्ण) (2055 - रजत)

इस विचार को यथार्थ करने के लिए, बीआईएस अपेक्षित जागरूकता हेतु ज्वैलरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूरे देश में एक बड़ा अभियान आरंभ कर रहा है ।

इस अवसर पर श्रीमती सुरीना राजन , महानिदेशक बीआईएस ने सभी खरीददारों से अपील की कि वे हमेशा उत्पाद खरीदने से पहले उसे अच्छे से देखें और उस पर बीआईएस हॉलमार्क का सत्यापन करें। उन्होंने बताया कि हॉलमार्किंग योजना का मुख्य उद्देश्य जनता को मिलावट से बचाना है और विनिर्माताओं से परिशुद्धता के कानूनी मानदंडों का पालन करवाना है ताकि देश में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा सके।

अलका
उपनिदेशक, जनसंपर्क विभाग
9818029017

Open Your Eyes To Gold, Look For Hallmark.



Look For These Symbols Before Buying Gold



22K916
For 22 Karat
Jewellery


Assaying Centre's
Identification Mark


Mark
Of Jeweller

www.bis.gov.in | complaints@bis.gov.in

Assured Purity • Correctly Priced • Safeguarded • Karat-Certified



Bureau Of Indian Standards

Hallmark Makes It Gold

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

FOR IMMEDIATE RELEASE

Press Note No: PRD/Press Note/4/2019-20

06 May 2019

Press Release on Akshaya Tritiya

This 7th of May, 2019, 'Akshaya Tritiya' will be celebrated across the country. The event is traditionally earmarked as an auspicious day for purchasing valuables and making investments. During this time, jewelers in India see strong consumer footfall and enthusiasts prefer buying precious metals. Hence, this day sees the heavy purchase of gold ornaments countrywide.

Keeping this in view, BIS endorses that the consumers must shop only hallmarked jewelry this festive season to ensure desired purity of the purchased product. 'Hallmark' refers to the official marks that are used as a guarantee of fineness and the purity of precious metal ornaments, including gold. We want citizens and buyers to be aware of the basic nitty-gritties before buying expensive jewels, which includes the following;

- Always prefer buying from a BIS Licensed jewellery store.
- Check the actual weight of the gold before buying.
- Check for a BIS Hallmark, and Purity in carat and finesse. For 22 carat jewellery, 22K will be marked in addition to 916 (22K916), for 18 carat jewellery – 18K750, & for 14 carat jewellery – 14K585.
- See, the identification mark of the assaying center and the identification mark of the Jeweller.
- Jewelers do not hallmark gold jewellery. It is done by special laboratories known as Assaying and Hallmarking Centers. Hallmarking charge on Gold Jewellery is only ₹35 per article, and for Silver Jewellery it is ₹25 per article.

BIS as a National Standard Body ensure consumer protection by facilitating Assaying and Hallmarking Centers (AHCs) under its various Hallmarking schemes. Currently, there are seven hundred and ninety seven (797) AHCs functioning in the country. In the last five years, BIS has provided around twenty seven thousand licenses which are operating across the country. (24655-GOLD) (2055 - SILVER) Along with this, continuous surveillance activity throughout the year is conducted by the BIS officials to ensure quality product is being delivered. BIS has maximizing its potential with the use of technology in this area.

To further put this idea into practice, BIS is also launching a wide-ranging campaign across the nation, highlighting the significance of 'Hallmarked Jewelry' for the desired awareness.

Mrs Surina Rajan, DG BIS, appealed to all buyers to always check the product thoroughly and

verify the BIS Hallmark before purchasing it. She informed that the principle objectives of the Hallmarking Scheme are to protect the public against adulteration and to obligate manufacturers to maintain legal standards of fineness therefore protecting the interests of consumers in the country.

Alka
Deputy Director, PR
9818029017